वी.यू. टिकाऊ पशुधन के समग्र विकास की दिशा की ओर बढ़ते कदम – डॉ. जुयाल

जबलपुर। विगत दिवस नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी ने उद्‌गार व्यक्त करते हुये कहा कि यह विश्वविद्यालय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, पशुपालकों व रोजगारन्मुखी सोच के साथ निरंतर प्रयासरत् है। इस विश्वविद्यालय में भारतीय गौवंशीय नस्लों **गिर व साहीवाल गायों के संरक्षण एवं संवर्धन पर अनुसंधान** के माध्यम से देशी गायों से **सेरोगैसी आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति** के द्वारा साहीवाल नस्ल की बछिया पैदा हुई, जो कि निकट भविष्य में उन्नत साहीवाल गाय तैयार होगी। विगत माह अक्टूबर 2019 को विश्वविद्यालय में एक दिवसीय **"पंचगव्य उत्पाद निर्माण इकाई"** विषय पर कार्यशाल आयोजित हुई इस अवसर पर माननीय श्री भरत यादव, जिलाध्यक्ष, जबलपुर ने पशुधन प्रक्षेत्र, अधारताल, जबलपुर का भ्रमण एवं अवलोकन करते हुये, गौ–माता पूजन किया, तदोपरांत हवन टिकिया और मच्छरनाशक कुंडली आदि उत्पादों का अवलोकन करते हुये आयोजित कार्यशाला में अपने उद्‌बोधन में कहा कि पंचगव्य से निर्मित उत्पाद कृषकों/पशुपालकों के लिए आय का अच्छा स्त्रोत बन सकते है, साथ ही आपने कहा कि प्रत्येक गौशाला के साथ पंचगव्य निर्माण इकाई की भी स्थापना एक मूलभूत एवं महत्ती आवश्यकता पर जोर दिया। इसी तारतम्य में दिनांक 18 अक्टूबर 2019 को **आचार्य विद्यासागर सेवाश्रम गौशाल गोसलपुर**, तहसील–सिहोरा में एक **पंचगत्य उत्पाद निर्माण इकाई की स्थापना व शुभारंभ** विश्वविद्यालय, पशुचिकित्सा विभाग एवं गौशाल ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। इसी प्रकार विश्वविद्यालय में **उन्नत नस्ल की नर्मदा निधि (द्विकाजी बहुरंगी संकर मुर्गी)** मुर्गी की नस्ल

विकसित की है, जो ग्रामीण परिवेश में पालने हेतु उपयुक्त नस्ल है, जिसका अंडा उत्पादन देशी मुर्गी 45 अण्डे की तुलना मं चार गूना अधिक 181 अण्डे प्रतिवर्ष उत्पादित करती है, साथ ही इस नस्ल में व्याधियों के विरूद्ध उत्तम सहनशीलता है। जिसका प्रचार–प्रसार विश्विद्यालय में संचालित फार्मर फर्स्ट एवं उप–जनजातीय परियोजनाओं के अंगीकृत ग्रामों/आदिवासी अंचलों के पशुपालकों/कृषकों के स्व–सहायता समूहों को उनके सामाजिक–आर्थिक उत्थान हेतु वितरित किया गया है।

माननीय कुलपति जी ने जानकारी देते हुये अवगत कराया कि निकट भविष्य में **मध्यप्रदेश के मंडला एवं रायसेन जिले में विश्वविद्यालय के अंतर्गत पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों** की स्थापना हेतु रू. 1524.93 लाख प्रति महाविद्यालय के प्रस्ताव मध्यप्रदेश शासन को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित है, इन महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष 50–50 छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिया जावेगा, अध्ययन पूर्ण होने पर उन्हें दो वर्षीय पत्रोपाधि डिप्लोमा प्रदान किया जावेगा, जिससे प्रदेश में उन्नत पशुधन विकास तो होगा ही, साथ में इन डिप्लोमाधारियों को मध्यप्रदेश के पशुचिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगें

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर